हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा जवाहर नवोदय विद्यालय, खानपुरा, जिला बड्गाम, जम्मू-कश्मीर में "प्रकृति : छात्र-वैज्ञानिक मिलन कार्यक्रम" का आयोजन

प्रकृति : छात्र-वैज्ञानिक मिलन कार्यक्रम के अंतर्गत हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने **जवाहर नवोदय विद्यालय, खानपुरा, जिला बड्गाम, जम्मू –कश्मीर** के 10वीं ,10+1,और 10+2 के 60 विद्यार्थियों व 3 संकाय सदस्यों के लिए वानिकी तथा पर्यावरण के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से दिनांक **25,जुलाई 2019** को एक कार्यक्रम का आयोजन किया । कार्यक्रम के प्रारंभ में **श्री जगदीश सिंह**, वैज्ञानिक-एफ हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने जवाहर नवोदय विद्यालय के विद्यार्थियों व संकाय सदस्यों का अभिनंदन तथा स्वागत करते हुए बताया कि *भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्*, देहरादून जो कि पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के अधीन एक स्वायत संस्था है तथा वानिकी अनुसंधान एवं पर्यावरण के क्षेत्र में अग्रणी कार्य कर रही हैं । उन्होंने विद्यार्थियों को पॉवरपॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से हिमालयन वन अनुसन्धान संस्थान, शिमला के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह संस्थान पश्चिमी हिमालय राज्यों - हिमाचल प्रदेश तथा जम्मू-कश्मीर में वानिकी एवं वानिकी अनुसन्धान तथा पर्यावरण सरंक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रही है व संस्थान की गतिविधियों के बारे में भी विद्यार्थियों को विस्तार से अवगत कराया ।

श्री सिंह ने पॉवरपॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से विद्यार्थियों को **'उत्तर-पश्चिमी हिमालय के महत्वपूर्ण औषधीय पौधों की पहचान, उनके उपयोग एवं महत्त्व'** पर प्रस्तुति दी । उन्होंने विद्यार्थियों को उनके क्षेत्र में पायी जाने वाली कम से कम पाँच औषधीय पौधों के नाम याद रखने के लिए भी कहा । इस अवसर में विद्यालय के प्रधानाचार्य **श्री अरविंदर सिंह भूल्लर** ने हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला से आए वैज्ञानिक तथा अधिकारियों **श्री जगदीश सिंह, डॉ जोगिंदर चौहान, श्री संजीव ठाकुर** तथा **श्री ज्वाला प्रशाद** का धन्यवाद करते हुये कहा कि उनके द्वारा दी गयी जानकारी से छात्र निश्चित रूप से लाभान्वित होंगे तथा आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन समय-समय पर करते रहेंगें। उन्होनें इस तरह के आयोजन करने के लिए *भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्*, देहरादून, के महानिदेशक तथा हिमालयन वन अनुसन्धान संस्थान, शिमला के निदेशक का आभार व्यक्त किया । कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का संस्थान के वैज्ञानिक तथा अधिकारियों द्वारा संतोषजनक उत्तर दिया गया ।

कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

****